शब्द–ब्रह्म
ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका
17 जनवरी 2015
पीअर रीव्यूड रिसर्च जर्नल

प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण में न्यूनतम अधिगम का मापन

चिंतन वर्मा (सहायक प्राध्यापिका)
एनी बीसेंट कॉलेज
इंदौर, मध्यप्रदेश, भारत

शोध संक्षेप

प्रस्तुत अध्ययन शासकीय व अशासकीय शालाओं के छात्रों पर संपन्न किया है। शासकीय शालाएं पूर्ण रूप से सुविधा संपन्न नहीं है, जबकि इसके विपरीत अशासकीय शालाएं पूर्ण रूप से सुविधा संपन्न होती हैं। छात्रों को सारी शैक्षणिक सुविधायें भी उपलब्ध होती हैं। अर्थात् दोनों ही स्थितियां विपरीत रूप से हमारे समक्ष प्रस्तुत हैं। अतः ऐसी परिथतियों में शासकीय शाला के छात्र अशासकीय शाला के छात्रों की तुलना में पर्यावरण के न्यूनतम अधिगम स्तर को किस सीमा तक पार कर पाते हैं। सुविधा संपन्न अशासकीय शाला के छात्रों का पर्यावरण न्यूनतम अधिगम स्तर शासकीय शाला के छात्रों के न्यूनतम अधिगम स्तर से तुलनात्मक दृष्टि से कितना भिन्न है - यही इस अध्ययन का मुख्य ध्येय है।

प्रस्तावना

अपने चारों ओर विद्यमान जीवन को प्रभावित करने वाले जड़ तथा चेतन पदार्थों को पर्यावरण कहते हैं। जिस हवा में हम साँस लेते हैं जिस जल का सेवन करते हैं,जिस भूमि पर हमारा आवास है ये सभी हमारे पर्यावरण के अंग हैं। जीव जंतुओं के चारों ओर की प्राकृतिक परिस्थिति ही पर्यावरण के नाम से जानी जाती है या यों कहें कि जीव जंतुओं के आसपास की परिस्थिति जो इनके अस्तित्व, विकास, संवृद्धि और उनकी गतिविधियों को प्रभावित करती है, पर्यावरण के नाम से जानी जाती है। पर्यावरण के अवयव होते हैं: -

1.जैविक अवयव 2. अजैविक अवयव

जैविक अवयव:- सभी जीव जंतु, पेड़ पौधे, संतति उत्पन्न करवे वाले, विघटित करने वाले तथा रूपान्तरित करने वाले तत्व पर्यावरण के जैविक अवयव कहे जाते हैं।

अजैविक अवयव:- भूमि, पानी, सूर्य का प्रकाश, ऊष्मा, प्रकाश तथा दबाव पर्यावरण के अजैविक अवयव कहलाते हैं।

वस्तुतः संपूर्ण परिवेश को मनुष्य तथा प्राकृतिक व सामाजिक परिवेश की आपसी क्रिया-प्रतिक्रिया का एकीकृत परिणाम माना जाता है। प्राथमिक स्तर पर पाठ्यक्रम की रूपरेखा में जैविक तथा अजैविक अंगों को सम्मिलित किया है। इन्हें दस प्रमुख दक्षताओं के इर्द-गिर्द बनाया गया है। वे दस प्रमुख दक्षताएं, जिनका संबंध विकास के ज्ञानात्मक, भावनात्मक एवं मनोगत्यात्मक पक्षों से है, पर्यावरण के अधिगम के माध्यम से जो मूलभूत कौशल, अनुभव अर्जित किये हैं, वे अन्य क्षेत्रों की संकल्पनाओं को समझने सीखने में सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त पर्यावरण के दस मूल कौशल हैं -

1 सामाजिक व भौतिक परिवेश के संदर्भ में जागरूकता।

2.सामाजिक व नागरिक परिवेश की कार्यविधि को समझना।

3.कार्य में लोगों की जानकारी व कार्य जगत में उनका महत्व।

4.मनुष्य व उनके परिवेष को समझना व उसकी व्याख्या करना।

5.मानव के अतीत व वर्तमान का संबंध देखना व अतीत को समझना।

6.सामान्य सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों व समस्याओं को समझना।
7.अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने वाले कारकों को समझना।
8.सजीव वस्तुओं की जानकारी, वर्गीकरण व सरल निष्कर्ष निकालना।
9.निर्जीव वस्तुओं की विशेषताओं के प्रेक्षण की जांच।
10.पृथ्वी व आकाश की घटनाओं का अवलोकन व निष्कर्ष आदि छात्र के व्यक्तित्व निर्माण में और उसके दैनिक जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी सम्प्रेषण करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं जो पर्यावरण संबंधी विभिन्न दक्षताओं पर आधारित हैं। प्राथमिक स्तर शासकीय व अशासकीय शालाओं के विद्यार्थियों की -

1.सामाजिक व भौतिक परिवेश के संदर्भ में जागरूकता संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
2.सामाजिक व नागरिक परिवेश की कार्य विधि को समझना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
3.कार्य में लगे लोगों की जानकारी व कार्य जगत में उनका महत्व संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
4.मनुष्य व उसके परिवेश को समझना व उसकी व्याख्या करना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
5.मानव के अतीत व वर्तमान का संबंध देखना व अतीत को समझना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
6.सामान्य आर्थिक, सामाजिक, परिस्थितियों व समस्याओं को समझना, विश्लेषण करना व अनुभव कर संभवित हल खोजना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
7.अच्छे स्वास्थ्य को बनाये रखने वाले कारकों को समझना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
8.सजीव, निर्जीव, वस्तुओं की जानकारी, वर्गीकरण व निष्कर्ष निकालना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
9.निर्जीव वस्तुओं की विषेषताओं के प्रेक्षक की जांच संबंधी दक्षताओं के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।
10.पृथ्वी व आकाश की घटनाओं का अवलोकन करना व निष्कर्ष निकालना संबंधी दक्षता के न्यूनतम अधिगम स्तर के औसत का तुलनात्मक अध्ययन।

न्यादर्श

न्यादर्श हेतु शासकीय घनश्याम प्रसाद प्राथमिक शाला से 50 विद्यार्थियों तथा अशासकीय जनता प्राथमिक शाला से 50 विद्यार्थियों का चयन कक्षा 5वी से किया गया। न्यादर्श चयन हेतु रेण्डम सेम्पल विधि का प्रयोग किया गया।

उपकरण

एन्सीईआरटी द्वारा प्रस्तावित प्रश्नावली प्राथमिक शाला के बालकों का पर्यावरण का न्यूनतम अधिगम स्तर का प्रयोग किया गया।

सारणीयन एवं विश्लेषण

क्र.	दक्षता	शा.घ.प्रा.शाला 5 वीं के कक्षा के बालक	अशा.ज.प्रा.शा.के 5 वीं कक्षा के बालक
1	सामाजिक व भौतिक परिवेश के संदर्भ में जागरूकता	81.74%	86.40%
2	सामाजिक व नागरिक परिवेष की कार्यविधि को समझना	81.70%	71.00%
3	कार्य में लगे लोगों की जानकारी व कार्यजगत में उनका महत्व	71.00%	82.00%
4	मनुष्य व उसके परिवेष को समझना व उसकी व्याख्या करना	62.58%	82.04%
5	मानव के अतीत-वर्तमान का संबंध देखना व अतीत को समझना	82.00%	92.90%
6	सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों को समझना, विश्लेषण करना, अनुभव कर संभावित हल खोजना	91.06%	88.57%
7	अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने वाले कारकों को समझना	83.62%	95.94%
8	परिवेश की सजीव वस्तओं की जानकारी करना, उसका वर्गीकरण करना व सरल निष्कर्ष निकालना	76.43%	68.04%
9	निर्जीव वस्तुओं की विषेषताओं के प्रेक्षण की जांच	90.00%	95.00%
10	पृथ्वी व आकाष की घटनाओं का अवलोकन करना व निष्कर्ष निकालना	77.00%	89.00%
	औसत प्रतिशत	77.71%	85.12%

शासकीय घनश्याम प्रसाद शाला तथा अशासकीय जनता प्राथममिक शाला खण्डवा (म.प्र.) के बालकों की पर्यावरण संबंधी विभिन्न दक्षताओं का न्यूनतम अधिगम स्तर का औसत।

परिणाम एवं निकर्ष

प्राथमिक शाला में बालकों की पर्यावरण संबंधी विभिन्न दक्षताओं का न्यूनतम अधिगम स्तर का औसत शासकीय व अशासकीय दोनों शालाओं के छात्र न्यूनतम अधिगम स्तर को नहीं पार कर पा रहे हैं।

प्राथमिक शाला	शासकीय श्री घनश्याम दास प्राथमिक शाला खंडवा (म.प्र.)	अशास.जनता प्राथमिक शाला खण्डवा (म.प्र.)
प्रतिशत	77.71%	85.12%

तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह अंतर शासकीय व अशासकीय शालाओं में बहुत ज्यादा नही पाया गया कुल अन्तर 7.41 प्रतिशत रहा है फिर भी शासकीय व अशासकीय शाला के 77.71 प्रतिशत बालक न्यूनतम अधिगम स्तर तक ही पहुंच सके हैं। इसके विपरीत अशासकीय शाला के 85.12 प्रतिशत बालक न्यूनतम अधिगम स्तर तक पहुंच सके हैं।

निष्कर्ष के तौर पर शासकीय श्री घनश्याम प्रसाद प्राथमिक शाला के पांचवी कक्षा के बालकों में पर्यावरण का न्यूनतम अधिगम स्तर 77.71 प्रतिशत रहा जो कि मानक स्तर से 22.29 प्रतिशत कम है, जबकि अशासकीय जनता प्राथमिक शाला के पांचवी कक्षा के बालकों में पर्यावरण का न्यूनतम अधिगम स्तर 82.12 प्रतिशत है जो कि मानक स्तर से 14.88 प्रतिशत कम है।

सुझाव

1 बालकों को पर्यावरण का अध्ययन प्रकृति के निकट ले जाकर कराया जाए।

2 प्रत्येक घटना, दृश्य तथा पेड़-पौधों व जीव-जन्तुओं आदि का अध्ययन वास्तविक रूप में प्रत्यक्षीकरण के द्वारा कराया जाए।

3 शासकीय श्री घनश्याम प्रसाद प्राथमिक शाला में विशेष रूप से धर्म-निरपेक्षता की भावना का विकास करना चाहिये।

4 सरल व आसानी से किये जाने वाले प्रयोग तथा अवलोकन जैसे- पौधे लगाना, प्रकाश का सरल रेखा में गमन करना व पदार्थ की अवस्थाओं में परिवर्तन आदि के प्रयोग जो स्वंय करने तथा यातायात, आयात-निर्यात व चुनाव प्रक्रिया का सामान्य अवलोकन करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।

5 शाला में वाद-विवाद, नाटक, कविताएँ तथा बाल-सभा का आयोजन किया जाना चाहिये, इसमें बालकों की निरीक्षण क्षमता व सत्य-असत्य परखने की प्रवृत्ति का विकास होगा।

6 अध्यापक व अध्यापिकाओं का छात्रों के साथ सहानुभूति का व्यवहार व अनुशासन की उचित व्यवस्था की जानी चाहिये।

यदि इन सुझावों पर अमल किया जाए तो छात्रों का पर्यावरण के न्यूनतम अधिगम स्तर को बढ़ाया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 चावला, एस.पी., नागिया प्रकाशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली

2 "हमारा पर्यावरण, प्रकाशन, मैत्री गांधी शान्ति प्रतिष्ठान द्वारा, गांधी शान्ति प्रतिष्ठान -221, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग के लिए प्रकाशित तथा इण्डिया फोटो प्रिन्ट तथा क्रानिकल प्रेस द्वारा फोटो टाइप, सेट और रूपक प्रिन्टर्स, दिल्ली - 110 032 से मुद्रित, संस्करण - मार्च, 1988

3 काबरा उम्मैदराम, "नई शिक्षा नीति 1986"

4 मल्होत्रा, आर.एन., प्रेमी, एम. के.,"भारत युवा पीढ़ी के गूंजते स्वर"

5 प्रीमास्ट, ओ.बी. (ऑपरेशन ब्लेक बोर्ड के सन्दर्भ में), प्रशिक्षण सामग्री खण्ड - 2, प्रकाशन - विद्यालय पूर्व एवं प्रारंभिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली

6 "प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर, भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय (शिक्षा विभाग) द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट प्रकाशन - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली - 110 016.